

सर्वसाधारण बदली प्रक्रिया सन -२०२० विवरणपत्र-३

विनंतीने बदल्यासाठी अर्ज करण-या ग्राम विकास अधिकारी यांची वास्तव जेष्ठता यादी सन -२०२०

विनंतीने बदल्यासाठी कर्मचा-यांची यादी सन -२०२०

संवर्ग:- ग्राम विकास अधिकारी

| संवर्ग:- ग्राम विकास अधिकारी |                  |           |                    |          |                      |             |                                                                      |                                   |                                  |                     |                       |       |                  |      |                                         |                                          |           |         |         |            |          |         |             |              |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |
|------------------------------|------------------|-----------|--------------------|----------|----------------------|-------------|----------------------------------------------------------------------|-----------------------------------|----------------------------------|---------------------|-----------------------|-------|------------------|------|-----------------------------------------|------------------------------------------|-----------|---------|---------|------------|----------|---------|-------------|--------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| अ.क्र.                       | कर्मचा-याचे नांव | जन्मतारीख | सेवानिवृत्त दिनांक | स्वग्राम | बदलीचे स्वग्राम/कारण | बदलीचे कारण | ज्या बदली कारणास्तव बदली मागितली आहे त्या समसमय सारर केलेला प्रस्ताव | बदली मागितलेल्या कर्मचा-याचे नांव | संस्था कार्यरत कार्यालयाचे विवरण |                     |                       |       | वास्तव्य कालावधी |      |                                         | यापूर्वी ग्राम कार्यरत कार्यालयाचे विवरण | पती/पत्नी |         |         | कुमारी/पती | अपंग/पती | अन्य    | निर्वाचित / | कार्यालयातील |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |         |
|                              |                  |           |                    |          |                      |             |                                                                      |                                   | ग्राम पंचायतीचे नांव             | पंचायत समितीचे नांव | संस्थाच्या ठिकाणी आहे | वर्षे | महिने            | दिवस | ग्रामपंचायत (वि. कुलडाणी), पं.स. रोमटेक | कार्यरत असल्यास विवरण                    | कार्यरत   | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत    | कार्यरत  | कार्यरत | कार्यरत     | कार्यरत      | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत | कार्यरत |

| १  | २                       | ३          | ४          | ५             | ६      | ७                                           | ८                            | ९                                                 | १०          | ११                         | १२         | १३ | १४ | १५ | १६                              | १७    | १८    | १९    | २०    | २१    | २२       | २३    | २४                    |
|----|-------------------------|------------|------------|---------------|--------|---------------------------------------------|------------------------------|---------------------------------------------------|-------------|----------------------------|------------|----|----|----|---------------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|----------|-------|-----------------------|
| ५  | श्री. एस. यु. काळे      | १४.१०.१९६६ | ३१.१०.२०२४ | पारशिवनी      | विनंती | वयाचे ५३ वर्षे पुणे झाल्यामुळे झेराक्स प्रत | सेवा पुस्तकाची झेराक्स प्रत  | कळमेखर, सोनेनेर, काटोल                            | सोनेघाट     | पं.स. रामटेक               | १.८.२०१३   | ६  | ९  | ३० | पारशिवनी, काटोल                 | -     | -     | -     | -     | -     | ५३ पूर्ण | -     | प्राधान्य क्रमात आहे  |
| ६  | श्री. व्ही. जी. येतुरे  | २५/०८/१९६६ | ३१/०८/२०२४ | मुलु          | विनंती | हुरय गोग व ५३ वर्षे पुणे झाल्या व बत        | -                            | हिंगा, नागपूर                                     | मकराधिकडा   | उमरेड                      | ०७.०३.२०१४ | ६  | २  | २५ | नागपूर, हिंगा                   | -     | -     | -     | -     | -     | ५३ पूर्ण | -     | प्राधान्य क्रमात आहे  |
| ७  | श्री. शिवाजी नागराणे    | १६.१९७८    | ५/३१/२०३६  | केज निलखा बीड | विनंती | -                                           | -                            | पं.स. नागपूर, पं.स. उमरेड, पं.स. कामठी            | अरोली       | मोरा                       | २१.५.२०१४  | ६  | ०  | १० | पं.स. सोननेर, पं.स. मोरा        | -     | -     | -     | -     | -     | -        | -     | प्राधान्य क्रमात नाही |
| ८  | श्री. एम. एल. चिटकुलवार | २०.२१.१९६९ | २८.०२.२०२७ | नारड          | विनंती | कर्करोग दुर्घर आजार                         | कर्करोग दुर्घर आजार वे. दस्त | प्रा.प. पिपळ, डा. ब. त. सावनेर, का.प. वडाता, मढी, | -           | पंचायत विभाग, जि.प. नागपूर | ०६.०२.२०१६ | ५  | ४  | ०  | वकळमेखर, सावनेर, कुल १.         | -     | -     | -     | -     | -     | -        | -     | प्राधान्य क्रमात आहे  |
| ९  | पं. श्री. गजघटे         | १५.०७.१९६६ | ३१.०७.२०२४ | उमरेड         | विनंती | हुरय शस्त्रक्रिया                           | संश्लि आजारचे केस पेर        | पं.स. उमरेड                                       | तास         | भिवापूर                    | ५/२/२०१५   | ५  | ३  | २६ | भिवापूर, उमरेड, भिवापूर         | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | ५३ पूर्ण | निरंक | प्राधान्य क्रमात आहे  |
| १० | एस. बी. कुलकर्णे        | ०१.०९.१९७१ | ३०.०९.२०२४ | अकोला         | विनंती | वयाचे ५३ वर्षे पुणे झाल्यामुळे              | -                            | पं.स. नागपूर, पं.स. कळमेखर, पं.स. कामठी           | सातगाव वेणा | हिंगा                      | ६.०६.२०१५  | ४  | ११ | २६ | पं.स. मोरा, कुली, नागपूर        | -     | -     | -     | -     | -     | -        | -     | प्राधान्य क्रमात आहे  |
| ११ | एन. एस. जोखरे           | ३.११.१९६३  | ३०.११.२०२१ | नागपूर        | विनंती | ५३ वर्षे पुणे                               | -                            | नागपूर, हिंगा                                     | धाणेवाडा    | कळमेखर                     | ५.८.२०१५   | ४  | ९  | २६ | नागपूर, कामठी, पारशिवनी, रामटेक | -     | -     | -     | -     | -     | ५३ पूर्ण | -     | प्राधान्य क्रमात आहे  |

| १  | २                             | ३          | ४          | ५      | ६      | ७                                                                   | ८                                                         | ९                                          | १०                  | ११     | १२         | १३ | १४ | १५ | १६                             | १७                                                               | १८                        | १९        | २० | २१ | २२       | २३ | २४                                                                            |
|----|-------------------------------|------------|------------|--------|--------|---------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------|--------------------------------------------|---------------------|--------|------------|----|----|----|--------------------------------|------------------------------------------------------------------|---------------------------|-----------|----|----|----------|----|-------------------------------------------------------------------------------|
| १२ | श्री.पी.एम.जाताडे             | ०२.०७.१९६५ | ३१.०७.२०२३ | हिंगणा | विनंती | ५३ वर्ष<br>पुण झाल्या<br>बबल                                        | -                                                         | कक्रामढी,<br>नागपूर,<br>हिंगणा.            | बावारा              | नागपूर | २३.०१.२०१७ | ३  | ४  | १  | नखेड,<br>हिंगणा,<br>नागपूर     | -                                                                | -                         | -         | -  | -  | ५३ पूर्ण | -  | प्राधान्य<br>क्रमात आहे.                                                      |
| १३ | प्रमोद श्री.मालापुरे          | ६.१२.१९७२  | ३१.१२.२०३० | सावनेर | विनंती | आदिवासी<br>क्षेत्रात काम<br>करण्यास<br>नकार<br>असल्याने             | अर्ज                                                      | पु.स.रामनेक,<br>नागपूर<br>पंचायत<br>विभाग. | खाल                 | मोदा   | १६.८.२०१७  | २  | १५ | १  | पडहिलवमी<br>दा, कामढी,<br>मोदा | -                                                                | -                         | -         | -  | -  | -        | -  | आदिवासी<br>क्षेत्रात<br>विनंती<br>असल्याने<br>तेथील<br>क्षेत्राकरीता<br>माध्य |
| १४ | श्री.पद्माकर के.<br>बाळापुरे  | ०३.०७.१९७२ | ३१.०७.२०३० | सावनेर | विनंती | वडीलांचे<br>आजारपण<br>डॉ. चे<br>सर्टिफिकेट                          | डॉ. चे<br>सर्टिफिकेट                                      | नखेड                                       | दहोणांच<br>(रंगाती) | सावनेर | १५/२०१८    | २  | ११ | १  | कळामधुवड,<br>कुली, नखेड        | -                                                                | -                         | -         | -  | -  | -        | -  | प्राधान्य<br>क्रमात नाही                                                      |
| १५ | श्री. धारत मंगारकर<br>मेथ्राम | ४.१२.१९६३  | ३१.१२.२०२५ | नागपूर | विनंती | विनंती                                                              | म.श.ग्रा.से.<br>संस्था निवडा<br>अवयव<br>असल्याकार<br>णाने | नागपूर, कामाढ<br>हिंगणा.                   | कळामधुव             | रामटेक | १६.२०१८    | १  | ११ | ३० | भिरापुर, कामाढ<br>नाही         | -                                                                | -                         | -         | -  | -  | -        | -  | प्राधान्य<br>क्रमात नाही                                                      |
| १६ | श्री. एस.एस. धुल              | १.७.१९६६   | ३१.७.२०२४  | उमरेड  | विनंती | पती-पत्नी<br>एकत्रीकरण<br>, ५३ वर्ष<br>संवत्सरा<br>ची झरोकस<br>प्रत | पत्नीचे<br>प्रमाणपत्र,<br>नागपूर                          | हिंगणा,                                    | खोरीबनवाडा<br>पु.स. | रामटेक | ७.६.२०१८   | १  | ११ | २४ | हिंगणा,<br>कामाढी              | राष्ट्रीय<br>श्रमिक<br>विभागा<br>एवं<br>विकास<br>बोर्ड<br>नागपूर | डेकी<br>कन<br>ऑफिस<br>टेट | १८.४.१९९६ | -  | -  | -        | -  | प्राधान्य<br>क्रमात नाही                                                      |
| १७ | श्री. नरहराम गडगे             | १२.६.१९६९  | ३०.६.२०२७  | स वनर  | विनंती | ख जंग<br>का रण भु<br>के                                             | नसे                                                       | का टी ल,<br>नखेड,<br>हिंगणा                | क दोराख             | शमटेक  | १६.७.२०१८  | १  | १० | १५ | का टी ल,<br>नखेड,<br>कळामधुव   | -                                                                | -                         | -         | -  | -  | -        | -  | प्राधान्य<br>क्रमात नाही                                                      |

| १  | २                      | ३         | ४         | ५                    | ६     | ७                        | ८                      | ९                           | १०        | ११              | १२        | १३ | १४ | १५ | १६                                      | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४                        |
|----|------------------------|-----------|-----------|----------------------|-------|--------------------------|------------------------|-----------------------------|-----------|-----------------|-----------|----|----|----|-----------------------------------------|----|----|----|----|----|----|----|---------------------------|
| १८ | श्री. जी. वी. खरपुरीया | १.७.१९६९  | ३१.७.२०२७ | नरखेड                | विनती | प्रकृती<br>छिक           | -                      | नागपूर                      | पंचाळा    | पं.स.<br>रामटेक | २४.८.२०१८ | १  | १  | ७  | पिंपापुर,<br>पारशिवनी,<br>नागपूर        | -  | -  | -  | -  | -  | -  | -  | प्राधान्य<br>क्रमाने नाही |
| १९ | श्री. एम. एस. देशमुख   | ११.३.१९७० | ३१.३.२०२८ | कारंजा, वि.<br>वर्धा | विनती | आजारपण                   | डॉक्टरचे<br>प्रमाणपत्र | है गण,<br>का मढी,<br>नगपूर  | मनसर      | समेटक           | ३१.७.२०१९ | ०  | १० | ०  | काटोल,<br>नरखेड,<br>कळमेवर              | -  | -  | -  | -  | -  | -  | -  | प्राधान्य<br>क्रमाने नाही |
| २० | श्री. एम. एस. वानखेडे  | ३.७.१९६६  | ३१.७.२०२४ | कळमेवर               | विनती | आई<br>वडिलांचे<br>आजारपण | नसं                    | है गण,<br>का टो ल,<br>नरखेड | का हाव सं | समेटक           | २६.९.२०१९ | ०  | ८  | ५  | काटोल,<br>सावर,<br>कुसी मोदा,<br>कळमेवर | -  | -  | -  | -  | -  | -  | -  | प्राधान्य<br>क्रमाने नाही |

क. २५६५.

क. २५६५.

उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (प्रा.पं.)  
जिल्हा परिषद, नागपूर

मुख्य कार्यकारी अधिकारी  
जिल्हा परिषद, नागपूर